वर्ष-01, अंक-70
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

**आज का विचार**
परिश्रम के उपहार से ही मानव का जग में सत्कार होता है।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

# बिहार सिटी चीफ

ई -पेपर

बिहार ,रविवार, 15 जून 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

## शाहरुख और आकाश अंबानी के बाद 3 करोड़ की लैंड क्रूजर से चलेंगे अनंत सिंह

### जगदंबा मंदिर में की गई कार की पूजा

**पटना**, बॉलीवुड के सुपर स्टार शाहरुख खान और प्रसिद्ध उद्योगपति मुकेश अंबानी के बेटे आकाश अंबानी जिस स्रष्ठ Cruiser ZX का से चलते हैं अब उसी कार से बिहार के छोटे सरकार भी चलेंगे। जी हां हम बात कर रहे हैं मोकामा के पूर्व विधायक और बाहुबली अनंत सिंह की जिन्हें क्षेत्र की जनता प्यार से छोटे सरकार कहती है। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले ही अनंत सिंह का जन्मदिन था। इसी मौके पर LAND Cruiser ZX खरीदी गई थी।

फिलहाल मोकामा शूटआउट में अनंत सिंह बेऊर जेल में बंद हैं। LAND Cruiser ZX को उनके लिए दिल्ली से मंगवाया गया है। अनंत सिंह के करीबी चंदन ने बताया कि इसकी कीमत 3 करोड़ है। दिल्ली से पटना लाने के बाद नई गाड़ी को बड़हिया के जगदंबा मंदिर में ले जाया गया जहां कार की पूजा की गयी। पूजा के बाद सफेद रंग की LAND Cruiser ZX को पटना स्थित अनंत सिंह के आवास पर लगा दिया गया है। अनंत सिंह को उनके समर्थक छोटे सरकार के नाम से पुकारते हैं। राजनीति में उनकी दबंग छवि और भव्य लाइफस्टाइल हमेशा सुर्खियों में रही है। यह नई लग्जरी गाड़ी न सिर्फ उनके रुतबे को और बढ़ाती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि जेल में रहने के बावजूद उनका रसूख और पहचान बरकरार है। Land Cruiser ZX अपने पावर, सेफ्टी और लग्जरी के लिए मशहूर है। भारत में इसकी कीमत 2.5 से 3.5 करोड़ के बीच बताई जाती है, और यह देश की सबसे सुरक्षित और ताकतवर स्ङ्क में से एक मानी जाती है।

## आज से बिहार के इन जिलों में भीषण बारिश मॉनसून के स्वागत के लिए हो जाइए तैयार

बिहार में 42 डिग्री सेल्सियस से ऊपर की भीषण गर्मी के बीच अब राहत की खबर है। मौसम विभाग ने 15 जून 2025 से उत्तर बिहार और सीमांचल के जिलों में भारी बारिश और वज्रपात का अलर्ट जारी कर दिया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार अगले 4-5 दिनों में दक्षिण-पश्चिम मानसून बिहार में प्रवेश कर सकता है और 17-20 जून तक राज्य के ज्यादातर हिस्सों में बारिश, मेघगर्जन और तेज आंधी की संभावना है। इससे तापमान में गिरावट होगी और लोगों को गर्मी से निजात मिलेगी।

मौसम विज्ञान केंद्र, पटना के पूर्वानुमान के मुताबिक 15-16 जून से उत्तर बिहार के जिलों सुपौल, सहरसा, मधेपुरा और सीमांचल के अररिया, किशनगंज, और पूर्णिया में बारिश शुरू हो जाएगी। इन इलाकों में तेज आंधी और वज्रपात का येलो अलर्ट भी जारी किया गया है। मानसून के आगमन के दौरान बढ़ी नमी, पूर्वी-पश्चिमी हवाओं का मिलन और उच्च तापमान के कारण मौसम अस्थिर ही रहेगा।

शनिवार, 14 जून को बिहार के कई जिलों में तापमान 40 डिग्री से ऊपर दर्ज किया गया था। डेहरी (रोहतास) में तापमान सबसे ज्यादा 42.2 ℃, छपरा में 40.8 ℃, पटना में 40.4 ℃, गया में 41 ℃ और दरभंगा में 40 ℃ रहा। मौसम विभाग ने बताया कि अगले 24 घंटों में पटना, गया, नालंदा, शेखपुरा, नवादा, बेगूसराय, लखीसराय और जहानाबाद में तापमान में 2-3 डिग्री की गिरावट हो सकती है। हालांकि पूर्वी चंपारण, गोपालगंज और कैमूर जैसे जिलों में अभी भी हीटवेव का असर रहेगा।

## बिहार चुनाव से पहले पाल समाज के बीच तेजस्वी यादव का वादा

### सरकार बनी तो बनेगा चरवाहा आयोग

बिहार में इसी साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। चुनाव से पहले विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने कहा है कि पाल समाज ने लालू प्रसाद को ताकत दी है। सरकार बनी तो पाल समाज का ऋण चुकाऊंगा। शनिवार को श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में बिहार राज्य पाल महासंघ की ओर से आयोजित सम्मेलन में तेजस्वी ने कहा कि पाल समाज की सुविधा के लिए चरवाहा आयोग बनेगा। इस समाज की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाई जाएगी।

दुर्घटना में भेड़ों की अकाल मौत होने पर सरकारी सहायता दी जाएगी। तेजस्वी ने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि वह पिछड़ों के आरक्षण की हकमारी कर रही है। 17 महीने की महागठबंधन सरकार में आरक्षण की सीमा जब 65 फीसदी की गई तो भाजपा ने साजिश कर उसे अधर में लटका दिया।

अगर नौवीं अनुसूची में शामिल कर लिया जाता तो यह स्थिति उत्पन्न नहीं होती। आज बिहार में जो भी बहालियां हो रही हैं उससे बहुजन समाज वंचित हो रहा है। सरकार 15 साल पुरानी गाड़ी चलाने का लाइसेंस नहीं देती है तो बिहार की जनता 20 साल पुरानी सरकार क्यों चलाएगी।

सम्मेलन की अध्यक्षता महासंघ के अध्यक्ष चंद्रमोहन पाल, संचालन राजद के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. दिनेश पाल ने किया। पूर्व मंत्री मंगनी लाल मंडल, डॉ. बिनोद पाल, प्रो. दिलीप पाल, राजेश पाल, अमरेन्द्र पाल, विनय पाल, कन्हैया पाल आदि ने अपने विचार रखे।

## बिहार में 18 IPS अधिकारियों का हुआ ट्रांसफर

### पटना के SSP अवकाश कुमार हटाए गए

**पटना**, बिहार में बड़े पैमाने पर आईपीएस अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। इस फैसले के दौरान पटना के स्स्क अवकाश कुमार को भी हटा दिया गया है। अवकाश कुमार को बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस-1 पटना का समादेष्टा बनाया गया है, जबकि 2014 बैच के पूर्णिया के एसपी कार्तिकेय के शर्मा को पटना का नया एसएसपी बनाया गया है।

गृह विभाग की तरफ से तबादले की अधिसूचना जारी कर दी गई है। पटना के अपराध अनुसंधान विभाग के एसपी चंद्रशेखर प्रसाद को पटना का एसपी लॉ एंड ऑर्डर बनाया गया है। अशोक मिश्रा को पुलिस अधीक्षक (जी) विशेष शाखा, पटना, बिहार बनाया गया है। शैशव यादव को सहायक पुलिस महानिरीक्षक (आधुनिकीकरण) पटना, बिहार की जिम्मेदारी दी गई है। विद्या सागर को पुलिस अधीक्षक ईआरएसएस पटना बिहार बनाया गया है और विनीत कुमार को पुलिस अधीक्षक जहानाबाद की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

**बिहार में होने वाले हैं विधानसभा चुनाव**

बिहार के सियासी गलियारों में इस वक्त काफी गहमागहमी है क्योंकि बिहार में विधानसभा चुनाव होने में कुछ ही महीने बाकी हैं। हालांकि अभी तारीखों का ऐलान नहीं हुआ है लेकिन अक्तूबर या नवंबर में इन चुनावों के होने की संभावना जताई जा रही है। दरअसल ऐसा माना जा रहा है कि चुनाव आयोग दीवाली और छठ जैसे त्योहारों को ध्यान में रखकर चुनाव की तारीखें तय कर सकता है। ऐसे में इस बात का भी ध्यान रखना है कि बिहार विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर 2025 को समाप्त हो रहा है, इसलिए उससे पहले चुनाव प्रक्रिया पूरी होनी आवश्यक है।

बिहार चुनाव से पहले इतने बड़े स्तर पर आईपीएस अधिकारियों का तबादला चर्चा का विषय बना हुआ है। इसमें सबसे ज्यादा चर्चा पटना के स्स्क अवकाश कुमार की हो रही है। पटना, राज्य की राजधानी है और चुनाव से पहले राजधानी का स्स्क बदल देना लोगों के गले से नीचे नहीं उतर रहा है।

## कैमूर में महिला पुलिसकर्मी को मारी गोली; पति के साथ स्टेशन जा रही थी, रास्ते में अपराधियों ने ऐसा किया

कैमूर में बेखौफ अपराधियों ने एक महिला पुलिसकर्मी को गोली मार दी। घायल पुलिसकर्मी को भभुआ सदर अस्पताल ले जाया गया। यहाँ डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे वाराणसी के ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है। बताया जाता है कि महिला पुलिसकर्मी अपने ड्यूटी पर मधेपुरा जाने के लिए कुदरा से ट्रेन पकड़ने के लिए अपने पति के साथ बाइक से रेलवे स्टेशन जा रही थी, तभी बुलेट पर सवार दो अपराधियों ने पीछे से गोली

मार दी। घायल महिला पुलिसकर्मी सरिता कुमारी कुदरा में किराए के मकान में रहती थी। वह भीतरी बांध करमचट थाना की निवासी थीं। परिजनों ने बताया कि वह अपने ड्यूटी पर मधेपुरा जा रही थीं और कुदरा रेलवे स्टेशन पर पहुंचने वाली थीं, तभी अपराधियों ने उन पर गोली चलाई और फरार हो गए। भभुआ सदर अस्पताल के डॉक्टर शाहिल राज ने बताया कि एक महिला पुलिसकर्मी आई थीं, जिन्हें गोली लगी थी। गोली पीठ में फंसी हुई है और एक्स-रे रिपोर्ट भी आई है। मामला गंभीर है, इसलिए उन्हें बनारस रेफर किया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और रेलवे स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है। घटना के कारण का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

विकास की नई उड़ान

## मुजफ्फरपुर में नीतीश कुमार ने बैग फैक्ट्री का किया उद्घाटन

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मंगलवार शाम मुजफ्फरपुर के बेला इंडस्ट्रियल एरिया पहुंचे, जहां उन्होंने एक बैग फैक्ट्री का उद्घाटन किया। फैक्ट्री का निरीक्षण करते हुए मुख्यमंत्री ने बैग निर्माण की प्रक्रिया को नजदीक से देखा और मौके पर मौजूद अधिकारियों से विस्तार से जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने फैक्ट्री में बन रहे उत्पादों की गुणवत्ता की भी जांच की और कर्मचारियों से बातचीत की। मुख्यमंत्री करीब आधे घंटे तक फैक्ट्री परिसर में रुके।

मुख्यमंत्री के साथ डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा, राज्य सरकार के कई मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। सीएम के आगमन को लेकर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। इलाके में चप्पे चप्पे पर पुलिस बल तैनात दिखा।

डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने इस अवसर पर कहा कि बिहार में लगातार औद्योगिक विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि अब बाहरी कंपनियां भी राज्य में निवेश कर रही हैं, जिससे रोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं। यह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सफल औद्योगिक नीति का ही परिणाम है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इंडस्ट्रियल एरिया को लगातार विकसित करने पर काम कर रही है और इसके सकारात्मक परिणाम अब दिखने लगे हैं। इस उद्घाटन समारोह ने राज्य में उद्योग और निवेश को बढ़ावा देने के सरकार के प्रयासों को नई ऊर्जा दी है

### औरंगाबाद पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी

## 28 साल से फरार हार्डकोर नक्सली कामेश्वर यादव गिरफ्तार

पुलिस को 28 वर्षों की लंबी तलाश के बाद आखिरकार उस हार्डकोर नक्सली को गिरफ्तार करने में सफलता मिल गई, जो समाज में अशांति फैलाने और नक्सली गतिविधियों का मास्टरमाइंड माना जा रहा था। गिरफ्तार नक्सली की पहचान कामेश्वर यादव के रूप में हुई है, जो गोह प्रखंड के बंदेया थाना क्षेत्र के बेला बारिश गांव का निवासी है।

शनिवार की शाम एसडीपीओ कुमार ऋषि राज ने जानकारी दी कि कामेश्वर यादव पर कई थानों में गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं और वह 1999 से फरार चल रहा था। बंदेया थाना में उसके खिलाफ 17 CLA एक्ट के तहत मामला दर्ज हुआ था। उसके खिलाफ कोर्ट से स्थायी वारंट भी जारी हो चुका था। पुलिस को लंबे समय से उसकी तलाश थी, लेकिन हर बार वह गिरफ्तारी से बच निकलता था। इस बार सटीक खुफिया इनपुट के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उसे धर दबोचा।

नक्सल विरोधी अभियान में तेजी

एसडीपीओ ने बताया कि एसपी अम्बरीश राहुल के निर्देश पर जिले को अपराध व नक्सल मुक्त बनाने के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। पहाड़ी और जंगल इलाकों में सर्च ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं, साथ ही फरार नक्सलियों की तलाश में सघन छापेमारी की जा रही है। पुलिस ने बताया कि एक दिन पहले गया जिले के सलैया थाना क्षेत्र के निमिया रेहड़ा गांव से भी हार्डकोर नक्सली अखिलेश भुइयां की गिरफ्तारी हुई थी। इसके अलावा सुरक्षा बलों ने आईईडी, केन बम और अन्य विस्फोटक भी जब्त कर जंगल में ही नष्ट कर दिए हैं।

कामेश्वर यादव से पूछताछ की जा रही है और जरूरी कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद कोर्ट में रिमांड पर भेजा जाएगा। पुलिस का कहना है कि जब तक क्षेत्र से नक्सलियों का पूरी तरह सफाया नहीं हो जाता, तब तक यह अभियान जारी रहेगा।

## सम्पादकीय

# ड्रीमलाइनर हादसा: सुरक्षा सिस्टम और सवालों की उड़ान

**बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर सरीखा आधुनिक, विकसित और सबसे अधिक भरोसेमंद विमान इस तरह दुर्घटनाग्रस्त कैसे हुआ? बोइंग विमान के 14 साल के सफर में 1175 विमानों में, 2100 उड़ानें प्रतिदिन के हिसाब से, 1 अरब से अधिक यात्री अब तक उड़ान भर चुके हैं। एक भी ड्रीमलाइनर विमान क्रैश नहीं हुआ। इसे लंबी दूरी का सबसे विशिष्ट विमान माना जाता है। दुनिया की बड़ी विमानन कंपनियां इन्हीं विमानों का इस्तेमाल करती रही हैं, लेकिन खूबियों के बावजूद ड्रीमलाइनर विमान में तकनीकी खामियां भी सामने आती रही हैं। ये खामियां भारतीय संसद में भी गूंज चुकी हैं।**

*अहमदाबाद विमान हादसा इस सदी की सबसे भयावह त्रासदी है। देश ही नहीं, दुनिया भी स्तब्ध है कि इतना खौफनाक हादसा कैसे हुआ? नियति का निर्णय था, लिहाजा एक यात्री, विश्वास कुमार रमेश, जिंदा भी बच गया। यह कुदरती चमत्कार ही है। अलबत्ता विमान में सवार सभी यात्री, दो पायलट और 10 क्रू मेंबर की हादसे में मौत हो गई। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी और कुछ उद्योगपति भी यात्रियों में शामिल थे। यात्रियों में 217 वयस्क, 11 बच्चे और 2 नवजात शिशु थे। यह नियति का बेहद क्रूर न्याय है। जीवन छीनना था, तो प्राण ही क्यों दिए? हैरत है कि नियति ने सभी की मौत एक साथ, एक ही विमान में, तय कर रखी थी! एयर इंडिया की उड़ान एआई-171 में 169 भारतीयों के अलावा 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और 1 कनाडाई यात्री सवार थे। उड़ान को लंदन जाना था। पल भर में ही तमाम ख्वाहिशें, सपने, परिवार चिंदी-चिंदी हो गए। जीवन राख बन गया। बहरहाल अब जांच का दायरा 'अंतरराष्ट्रीय' हो गया है। 'अंतरराष्ट्रीय नागरिक विमानन संगठन' को 30 दिनों के भीतर रपट सौंपनी होगी। बुनियादी जांच 'एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इनवेस्टिगेशन ब्यूरो' (एएआईबी) ही करेगा, जो भारत सरकार के नागरिक विमानन मंत्रालय से ही संबद्ध एक कार्यालय है। भारतीय वायुक्षेत्र में सभी गंभीर विमान हादसों की जांच यही ब्यूरो करता है। बहरहाल सभी रपटों को सार्वजनिक जरूर किया जाए, ताकि आम आदमी भी हादसे के कारण जान सके। यह विमान हादसा सबसे त्रासद इसलिए है, क्योंकि विमान एक मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल की इमारत से टकराया और उसका एक हिस्सा इमारत में ही फंसा रह गया। वह दोपहर का भोजन करने का समय था, लिहाजा मेस में कुछ डॉक्टर, एमबीबीएस छात्र, नर्सिंग छात्र और अन्य खाना खा रहे थे। विमान वज्रपात की तरह क्रैश हुआ और धड़कती जिंदगियों को पल भर में ही लाश बना दिया। कुछ तो विमान की आग के तापमान में जल कर खाक हो गए। ऐसी मौतों की संख्या 27 बताई गई है और 20 डॉक्टर लापता बताए जा रहे हैं। कितनी भयावह त्रासदी है यह! मन चीत्कार कर रहा है। मौतों की पुष्टि के बाद ही अधिकृत आंकड़ा देना नैतिक होगा। वैसे दुनिया के सामने सब स्पष्ट है कि कितना विध्वंसक हादसा है यह! इसे सामान्य घटना तो कोई मान ही नहीं सकता, लेकिन अचंभा है कि बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर सरीखा आधुनिक, विकसित और सबसे अधिक भरोसेमंद विमान इस तरह दुर्घटनाग्रस्त कैसे हुआ? बोइंग विमान के 14 साल के सफर में 1175 विमानों में, 2100 उड़ानें प्रतिदिन के हिसाब से, 1 अरब से अधिक यात्री अब तक उड़ान भर चुके हैं। एक भी ड्रीमलाइनर विमान क्रैश नहीं हुआ। इसे लंबी दूरी का सबसे विशिष्ट विमान माना जाता है। दुनिया की बड़ी विमानन कंपनियां इन्हीं विमानों का इस्तेमाल करती रही हैं, लेकिन खूबियों के बावजूद ड्रीमलाइनर विमान में तकनीकी खामियां भी सामने आती रही हैं। ये खामियां भारतीय संसद में भी गूंज चुकी हैं। अधिकतर विशेषज्ञों के आकलन हैं कि विमान के दोनों इंजन बंद हो गए, लिहाजा विमान को थ्रष्ट नहीं मिल पाया, नतीजतन 625 फीट तक उड़ान भरने के बाद विमान ऊपर नहीं जा सका। अंततः नीचे आकर क्रैश हो गया। विशेषज्ञ यह सवाल भी करते हैं कि अचानक दोनों इंजन कैसे फेल हो गए? विमान में जीई कंपनी के इंजन लगाए जाते हैं, जो सबसे विश्वसनीय माने जाते रहे हैं। विमान से ईंधन लीक होने, लीथियम बैटरी, कम्प्यूटर चिप संबंधी चेतावनियां सामने आती रही हैं। बैटरी के कारण ज्यादा हीटिंग भी एक भयंकर समस्या है। ये चिप ऐसी हैं, जिन्हें हैक किया जा सकता है। जहां हादसा हुआ है, वहां विशेषज्ञ पक्षियों की आशंका से भी इंकार नहीं कर रहे हैं। स्पीड सेंसर ने ठीक से काम न किया हो, उससे विमान को स्पीड सिस्टम का गलत डाटा मिल रहा होगा। साफ्टवेयर की गलती भी हो सकती है। उड़ान भरते ही कोई समस्या आई होगी, लिहाजा पायलट सुमित सभ्रवाल को 'मे डे कॉल' (जानलेवा खतरे की कॉल) करनी पड़ी। पायलट को 8200 घंटे उड़ान का अनुभव था, लिहाजा मानवीय त्रुटि की बात गले नहीं उतरती। बोइंग विमान को बार-बार तकनीकी जांच का सामना करना पड़ रहा था, ऐसा एक सर्वश्रेष्ठ विमान में कैसे संभव है? बहरहाल 'ब्लैक बॉक्स' के बाद ही यथार्थ सामने आएगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस हादसे की न्यायिक जांच की मांग की है।*

# इजरायल की निर्णायक रणनीति या तीसरे युद्ध की दस्तक?

**इजरायल ने ईरान के खिलाफ अपनी कार्रवाई को ऑपरेशन राइजिंग लायन नाम दिया है, जो बताता है कि यह अपने आप में महज एक कार्रवाई नहीं बल्कि नया सिलसिला हो सकता है। हमलों का व्यापक रूप भी इसकी गंभीरता को स्पष्ट कर देता है। यह हमला भारत द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ छेड़े गए ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई जैसा है, लेकिन अपने दृढ़ संदेश में ऑपरेशन राइजिंग लायन एक मजबूत संदेश देता है, जिससे इस्लामिक देशों की चूलें हिल चुकी हैं।**

© IDF spokesperson

लीजिए एक और युद्ध का आगाज हो गया। इससे हथियार निर्माता कम्पनियों की बाछें पुनः खिल गई। कहते हैं कि मरता क्या नहीं करता? आखिरकार बत्तीस दांतों के बीच घिरी जिह्वा की तरह मुस्लिम देशों से घिरे एकमात्र यहूदी मुल्क इजरायल ने अपने रणनीतिक हिफाजत के लिए मुस्लिम वर्ल्ड के सरगना देश ईरान पर निर्णायक हमला बोल दिया है, ताकि उसके परमाणु कार्यक्रमों पर ब्रेक लगाकर संभावित परमाणु हमलों से इजरायल के भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

समझा जाता है कि ईरान की बार-बार की बन्दरघुड़की का इजरायल ने करारा जवाब दिया है। इस्राइल ने ईरान के %परमाणु कार्यक्रम ठिकानों% पर अचानक हमला करके न केवल सबको चौंका दिया है बल्कि इस पूरे क्षेत्र को एक बार फिर से अनिश्चितता के जद्दोजहद में धकेल दिया है। इससे महंगाई और बर्बादी दोनों बढ़ेगी। वहीं, गुटीय युद्ध से बचने के लिए अमेरिका ने तत्काल यह साफ किया है कि इस कार्रवाई में वह शामिल नहीं है। वहीं, अब यह भी लगभग तय माना जा रहा है कि रूस और चीन की रजामंदी के बाद ईरान भी पुरजोर जवाबी कार्रवाई करेगा। इससे तीसरा विश्वयुद्ध भी भड़क सकता है।

दरअसल, इजरायल ने ईरान के खिलाफ अपनी कार्रवाई को ऑपरेशन राइजिंग लायन नाम दिया है, जो बताता है कि यह अपने आप में महज एक कार्रवाई नहीं बल्कि नया सिलसिला हो सकता है। हमलों का व्यापक रूप भी इसकी गंभीरता को स्पष्ट कर देता है। यह हमला भारत द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ छेड़े गए ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई जैसा है, लेकिन अपने दृढ़ संदेश में ऑपरेशन राइजिंग लायन एक मजबूत संदेश देता है, जिससे इस्लामिक देशों की चूलें हिल चुकी हैं।

वहीं, ईरान ने भी यह माना है कि इन हमलों में उसके कम से कम छह परमाणु वैज्ञानिक मारे गए। यही नहीं, ईरान के सबसे बड़े सैन्य अधिकारी इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स कॉप्स के चीफ हुसैन सलामी के भी मारे जाने की खबर है। इससे ईरान ने जवाबी कार्रवाई का इरादा भी जता दिया है। वहीं, इस्राइली कार्रवाई के वैश्विक दुष्प्रभावों का संकेत इसी एक तथ्य से मिल जाता है कि पहले हमले के कुछ घंटों के अंदर अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें 13त्न बढ़ गई। जबकि कुछ शेयर बाजार रॉकेट की तरह भागे, और कुछ धराशायी हो गए।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि इस्राइल लंबे समय से कहता रहा है कि ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने से हर हाल में रोका जाए और जरूरी हो तो उसके लिए बल प्रयोग से भी हिचका न जाए। क्योंकि उसका यह कहना है कि ईरान इस स्थिति में आ गया था कि कुछ दिनों के अंदर ही वह 15 परमाणु बम बना सकता था। जो इजरायल के खिलाफ ही उपयोग होता। ऐसे में उसने निर्णायक हमले किए।

यह बात दीगर है कि इस्राइल के इन आरोपों की स्वतंत्र तौर पर पुष्टि नहीं हुई है। वहीं यह बात भी सत्य है कि इस मसले पर अमेरिका से ईरान की बातचीत चल रही थी। 15 जून रविवार को भी दोनों पक्षों में अगले दौर की वार्ता होनी थी। ऐसे में इस्राइल की अचानक की गई इस कार्रवाई के बाद सभी पक्षों की नजरें इस पर टिक गई हैं कि आगे घटनाक्रम कैसा रूप लेता है।

ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि ईरान की जवाबी कार्रवाई का स्वरूप कैसा और उसका दायरा कितना बड़ा होता है। क्या वह खुद को इस्राइल के खिलाफ सांकेतिक कार्रवाई तक सीमित रखता है या फिर अमेरिकी दूतावासों व अन्य ठिकानों को भी अपनी जद में लेता है या होरमुज की खाड़ी से गुजरते जहाजों को भी निशाना बनाता है जहां से 21त्न ग्लोबल तेल की सप्लाई होती है।

गौरतलब है कि इजरायली हमले के बाद वहां के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल ने ईरान की मुख्य संवर्धन सुविधा, परमाणु विज्ञानियों और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को निशाना बनाया। उन्होंने ईरान पर हमले के बाद यह साफ कर दिया कि ऑपरेशन राइजिंग लॉयन अभी खत्म नहीं हुआ है। इजरायली हमले में ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के प्रमुख हुसैन सलामी के मारे जाने की पुष्टि हुई है।

वहीं, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि ईरान पर हुए इजरायली हमलों में अमेरिका शामिल नहीं है। साथ ही उन्होंने तेहरान को अमेरिकी हितों और कर्मियों को निशाना बनाने के खिलाफ चेतावनी दी। जबकि इजरायली रक्षा अधिकारी ने दावा किया कि हमलों में ईरान के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल मोहम्मद बाघेरी और उनके कई शीर्ष सैन्य अधिकारी मारे जा चुके हैं। ईरान पर इजरायली हमले के बाद अमेरिका ने एक आपात बैठक बुलाई। डोनाल्ड ट्रंप की अध्यक्षता में यह बैठक हुई। इसमें अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए आगे की एहतियाती रणनीति तय की गई। चूंकि तेहरान में हुए धमाकों के बाद इराक और ईरान ने अपना एयरस्पेस बंद कर दिया है। इससे वैश्विक वायुयान सेवाओं पर भी असर पड़ना लाजिमी है।

वहीं, इजरायल ने ईरान में हमले के बाद देशभर में इमरजेंसी लागू की। इसके अलावा इस्राइल ने दुनिया भर में अपने दूतावास बंद करने का एलान किया है। साथ ही इस्राइल ने अपने नागरिकों से सतर्क रहने और सार्वजनिक स्थानों पर यहूदी या इस्राइली प्रतीक न दिखाने की अपील की है।

मालूम हो कि विगत कई दशकों से गाजा पट्टी में इजरायल के खिलाफ संघर्षरत फिलिस्तीनियों और हमास के आतंकियों को जहां ईरान, सीरिया, जॉर्डन आदि मुस्लिम देश खुला समर्थन दे रहे हैं, वहीं पाकिस्तान-तुर्किये-अजरबैजान जैसे कुख्यात मुस्लिम देश भी उन आतंकियों को गुप्त शह प्रदान कर रहे हैं। लिहाजा इजरायल ने अब तय कर लिया है कि उसके खिलाफ षड्यंत्र में शामिल मुस्लिम देशों को अब बारी-बारी से भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। शायद इसलिए इजरायल ने अब ऐसे मुल्कों की जड़ों पर ही हमला बोलने का निश्चय किया है, जिसकी खौंफनाक शुरुआत भी कर दी है। जिसके बाद पश्चिम एशिया के दो कट्टर विरोधियों के बीच एक व्यापक युद्ध की आशंका तेज हो गई है। इसे 1980 के दशक में इराक के साथ युद्ध के बाद ईरान पर सबसे बड़ा हमला माना जा रहा है। जानकारों की मानें तो पहाड़ों में भी ईरान के परमाणु ठिकाने हैं, जिसे अमेरिकी मदद के बिना इजरायल खत्म नहीं कर पाएगा। उनका कहना है कि इजरायल सिर्फ ईरानी परमाणु ठिकाने को ही नहीं, बल्कि उसकी खुमैनी सरकार को भी हटाना चाहता है। इसलिए इतना खतरनाक हालात पैदा किए हुए है। जाहिर है कि बिना अमेरिका, यूरोप व एशिया के नाटो देशों के इशारे के वह ऐसी हिमाकत कदापि नहीं कर सकता है।

वहीं, हमले के बाद आईडीएफ ने कहा कि ईरान लगातार इजरायल के खिलाफ प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहा है और अपने प्रॉक्सी गुटों के जरिए क्षेत्र में अस्थिरता फैला रहा है। इससे साफ है कि देर सबेर वह दूसरे मुस्लिम सरगना देश तुर्किये और तीसरे इस्लामिक आतंकवादी सरगना देश पाकिस्तान के ऊपर भी हमला अवश्य करेगा। फिलवक्त चूंकि पाकिस्तान व तुर्किये अमेरिका के सरपरस्त देश हैं, इसलिए इनकी बारी कब आएगी, अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। सिर्फ वक्त का इंतजार करना ही श्रेयस्कर होगा।

इस प्रकार देखा जाए तो इजरायल-ईरान विवाद से जुड़े इस पूरे मसले पर वर्ल्ड इस्लामिक काउंसिल (ओआईसी) के लगभग 56 मुस्लिम सदस्य देश भी आपस में विभाजित हैं, क्योंकि जो अमेरिका के सरपरस्त हैं, वो चुप्पी साधे बैठे हैं। वहीं जो रूस-चीन-उत्तर कोरिया के समर्थक हैं, वो ईरान के पक्ष में एकजुट हो सकते हैं। चूंकि अमेरिका ने बड़ी सफाई से खुद को अलग कर लिया है, इसलिए अब यह रूस-चीन के ऊपर है कि वो खुलकर मैदान में आएंगे या नहीं। जबकि गुटनिरपेक्ष देश भारत ने रूस-यूक्रेन युद्ध की तरह इजरायल-ईरान युद्ध में भी अपनी तटस्थता बरकरार रखी है।

# इजरायल-ईरान संघर्ष : एक उभरता वैश्विक खतरा

1979 की इस्लामी क्रांति से पहले, शाह के शासनकाल में ईरान और इजरायल के बीच एक शीतल शांति थी। क्रांति के बाद, अयातुल्ला खोमैनी के नेतृत्व में ईरान ने इजरायल की वैधता को खारिज कर दिया और फिलिस्तीनी समूहों (जैसे हमास) और हिजबुल्लाह जैसे संगठनों का समर्थन शुरू किया।

इजरायल और ईरान के बीच का तनाव, वैचारिक और भू-राजनीतिक मतभेदों से उपजा है, जो हाल के वर्षों में खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। यह संघर्ष, जो कभी गुप्त अभियानों और प्रॉक्सी युद्धों तक सीमित था, अब प्रत्यक्ष सैन्य टकराव में बदल चुका है। ईरान, एक प्रमुख क्षेत्रीय शक्ति, इस संघर्ष को और जटिल बनाता है।

इजरायल और ईरान के बीच का संघर्ष एक जटिल और खतरनाक खेल है, जिसमें दोनों पक्ष अपनी शक्ति और संकल्प का प्रदर्शन कर रहे हैं। 2019 से 2025 तक, यह छाया युद्ध से प्रत्यक्ष टकराव में बदल गया है। ईरान की क्षेत्रीय शक्ति और वैश्विक प्रभाव इसे एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बनाते हैं, जिसके साथ टकराव के परिणाम केवल मध्य पूर्ण तक सीमित नहीं रहेंगे। । क्षेत्रीय युद्ध, परमाणु दौड़, और वैश्विक अस्थिरता के जोखिमों को देखते हुए, संयम और कूटनीति की जरूरत है, लेकिन अभी दोनों पक्ष पीछे हटने के मूड में नहीं दिखते। ।

**इस्लामी क्रांति से पहले तनावमुक्त थे दोनों देश**

1979 की इस्लामी क्रांति से पहले, शाह के शासनकाल में ईरान और इजरायल के बीच एक शीतल शांति थी। क्रांति के बाद, अयातुल्ला खोमैनी के नेतृत्व में ईरान ने इजरायल की वैधता को खारिज कर दिया और फिलिस्तीनी समूहों (जैसे हमास) और हिजबुल्लाह जैसे संगठनों का समर्थन शुरू किया।

ईरान का परमाणु कार्यक्रम और क्षेत्रीय प्रभाव इजरायल के लिए एक अस्तित्वगत खतरा बन गया। दूसरी ओर, इजरायल ने गुप्त अभियानों, हत्याओं और साइबर हमलों (जैसे 2010 का स्टक्सनेट वायरस) के माध्यम से ईरान को कमजोर करने की रणनीति अपनाई।

**2019ः छाया युद्धों का तेज होना**

2019 में इजरायल ने सीरिया, इराक और लेबनान में ईरान समर्थित ठिकानों पर हमले किए। ईरान ने इराक में अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइलें दागीं। 2020 में अमेरिका ने ईरान के कमांडर कासिम सुलेमानी की हत्या की, जिसका इजरायल ने समर्थन किया।

उसी वर्ष ईरान के परमाणु वैज्ञानिक मोहसन फखरीजादेह की हत्या हुई, जिसके लिए इजरायल को जिम्मेदार ठहराया गया। 2021 में समुद्री हमलों की श्रृंखला हुई, जिसमें दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर जहाजों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। 2022 में इजरायल और अमेरिका ने ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने की प्रतिबद्धता जताई।

**2023ः इजरायल-हमास युद्ध और क्षेत्रीय तनाव**

7 अक्टूबर 2023 को हमास ने इजरायल पर हमला किया, जिसमें 1,200 से अधिक लोग मारे गए। इससे गाजा में युद्ध शुरू हुआ। हिजबुल्लाह और हाउथी जैसे ईरान समर्थित समूहों ने इजरायल पर हमले किए। दिसंबर 2023 में इजरायल ने सीरिया में ईरान के एक कमांडर को मार गिराया। 2024 में तनाव चरम पर पहुंचा। अप्रैल में इजरायल ने दमिश्क में ईरान के वाणिज्य दूतावास पर हमला किया, जिसके जवाब में ईरान ने इजरायल पर 300 से अधिक ड्रोन और मिसाइलें दागीं। जुलाई में हमास नेता इस्माइल हनियाह की तेहरान में हत्या और सितंबर में हिजबुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह की बेरूत में हत्या ने स्थिति को और गंभीर किया। अक्टूबर में ईरान ने 180 मिसाइलों से इजरायल पर दूसरा हमला किया। इजरायल ने लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ जमीनी अभियान शुरू किया।

**2025ः ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला**

12 जून 2025 को अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने ईरान को परमाणु दायित्वों का उल्लंघन करने वाला घोषित किया। अगले दिन इजरायल ने ईरान के परमाणु ठिकानों और सैन्य सुविधाओं पर हमले किए। तेहरान में विस्फोट हुए, और ईरान की हवाई रक्षा प्रणाली क्षतिग्रस्त हो गई। ईरान ने जवाबी कार्रवारी का वादा किया, लेकिन उसकी क्षमता सीमित दिख रही है।

**दीर्घकालिक प्रभावः ईरान की स्थिति का महत्व**

ईरान कोई मामूली देश नहीं है। यह एक ऊर्जा महाशक्ति है, जिसके पास विशाल तेल भंडार, एक मजबूत वैचारिक आधार, और क्षेत्रीय प्रभाव है। ईरान की जवाबी कार्रवाही, चाहे प्रत्यक्ष या प्रॉक्सी के माध्यम से, एक बहु-मोर्चा युद्ध को जन्म दे सकती है। हिजबुल्लाह या हाउथी के हमले लेबनान, सीरिया, या यमन में संघर्ष को और भड़का सकते हैं। यह क्षेत्र पहले से ही शरणार्थी संकट और आर्थिक अस्थिरता से जूझ रहा है। इजरायल के हमले ईरान के परमाणु कार्यक्रम को अस्थायी रूप से कमजोर कर सकते हैं, लेकिन वे ईरान को गुप्त रूप से परमाणु हथियार विकसित करने के लिए और प्रेरित कर सकते हैं। यह सऊदी अरब और तुर्की जैसे अन्य देशों को परमाणु हथियारों की दौड़ में शामिल होने के लिए प्रेरित कर सकता है, जो मध्य पूर्व को और अस्थिर करेगा। ईरान के तेल क्षेत्र पर हमले वैश्विक तेल कीमतों को बढ़ा सकते हैं, जो पहले से ही अस्थिर हैं। लाल सागर में हाउथी हमले वैश्विक व्यापार को और प्रभावित कर सकते हैं। इससे भारत जैसे देशों की अर्थव्यवस्थाएं, जो आयातित ऊर्जा पर निर्भर हैं, प्रभावित हो सकती हैं। यह संघर्ष वैश्विक शक्तियों को और विभाजित कर सकता है। अमेरिका और उसके सहयोगी इजरायल के साथ हैं, जबकि रूस और चीन ईरान के करीब हैं। इससे संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों पर कूटनीतिक गतिरोध बढ़ सकता है, और वैश्विक सहयोग कमजोर हो सकता है। ईरान में आर्थिक दबाव और सैन्य झटके सरकार विरोधी प्रदर्शनों को भड़का सकते हैं। हालांकि, यह ईरान के सर्वोच्च नेता को राष्ट्रीय एकता के लिए जनता को एकजुट करने का अवसर भी दे सकता है, जिससे शासन और मजबूत हो सकता है।

**भारत और एशिया के लिए इसके निहितार्थ**

भारत, जो ऊर्जा का लगभग 85त्न आयात करता है, इस संघर्ष से सीधे तौर पर प्रभावित हो सकता है। तेल के दाम बढ़ने से भारत का चालू खाता घाटा और मुद्रास्फीति दोनों बढ़ सकते हैं। खाड़ी देशों में लगभग 85 लाख भारतीय कामगार हैं। इस क्षेत्र में युद्ध की स्थिति उनके जीवन और रोजगार को खतरे में डाल सकती है। भारत के अमेरिका और इज़राइल दोनों से गहरे रक्षा संबंध हैं, वहीं ईरान से पारंपरिक ऊर्जा और भू-राजनीतिक हित जुड़े हैं। इससे भारत की संतुलित विदेश नीति की परीक्षा होगी।

इज़राइल-ईरान संघर्ष अब केवल दो देशों के बीच का विवाद नहीं रहा — यह वैश्विक राजनीति, ऊर्जा सुरक्षा, और क्षेत्रीय स्थिरता का परीक्षा-पत्र बन चुका है। एक चिंगारी पूरे क्षेत्र को जला सकती है। ईरान की जवाबी कार्रवाही की क्षमता उसकी क्षतिग्रस्त रक्षा प्रणालियों के बावजूद बनी हुई है। हिजबुल्लाह या मिसाइलों के जरिए हमला एक क्षेत्रीय युद्ध को जन्म दे सकता है। कूटनीति के रास्ते बंद होते जा रहे हैं, क्योंकि ईरान परमाणु प्रतिबंधों को अस्वीकार करता है और इजरायल आक्रामक रुख अपनाए हुए है। वैश्विक समुदाय के लिए, यह संघर्ष केवल मध्य पूर्व तक सीमित नहीं है। यह ऊर्जा, व्यापार और सुरक्षा को प्रभावित करता है। भारत जैसे देशों को, जो ईरान से तेल आयात करते हैं और मध्य पूर्व में आर्थिक हित रखते हैं, इस संघर्ष के परिणामों पर नजजर रखने की जरूरत है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इसे केवल 'इज़राइल बनाम ईरान' का मामला मानकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, बल्कि सक्रिय भूमिका निभाते हुए शांति की दिशा में सार्थक पहल करनी चाहिए।

# नास्तिक 'कन्नप्पा' के शिव भक्त बनने की कहानी दिखाता है फिल्म का ट्रेलर, अक्षय कुमार बने महादेव

साउथ सिनेमा की बहुचर्चित मल्टीस्टारर फिल्म कन्नप्पा, जल्द सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। टीजर के बाद अब फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज कर दिया गया है, जिसमें प्रभास, मोहनाल से लेकर अक्षय कुमार जैसे दिग्गज कलाकार नजर आ रहे हैं। इसके ट्रेलर से अंदाजा लगाया जा रहा है कि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने वाली है। आइए देखें फिल्म का ट्रेलर।

**क्या है फिल्म का ट्रेलर?**
लंबे इंतजार के बाद %कन्नप्पा% का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। दो मिनट 54 सेकेंड के इस ट्रेलर की शुरुआत एक बच्चे यानी कि %कन्नप्पा% से होती है, जो कहता है कि भगवान का अस्तित्व नहीं है और वह खुद अपने समुदाय के लोगों को बचाने की जिम्मेदारी लेता है। इसके बाद बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार दिखते हैं, जो भगवान शिव के रूप में नजर आ रहे हैं। फिल्म का कहानी शिव भक्तों की कहानी है, जिसमें कन्नप्पा को सबसे बड़े नास्तिक से शिव का परम भक्त बनने की कहानी दिखाई देगी।

**प्रभास-मोहनलाल के किरदार ने बढ़ाया रोमांच** फिल्म के ट्रेलर में प्रभास ने %रुद्र% की भूमिका निभाई है, जो %कन्नप्पा% को शिव भक्त बनने का मार्ग बता रहे हैं। इसके अलावा मोहनलाल का भी स्क्रीन प्रेजेंस शानदार दिखाई दे रहा है। अब फैंस को इस फिल्म का बड़ी बेसब्री से इंतजार हो रहा है।

**कब रिलीज होगी फिल्म?**
विष्णु मांचू की बहुप्रतीक्षित फिल्म 27 जून 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म में विष्णु मांचू, मोहन बाबू, प्रभास, मोहनलाल, अक्षय कुमार, शरत कुमार, काजल अग्रवाल, अर्पित रांका, ब्रह्मानंदम, सप्तगिरी, मुकेश ऋषि, मधुबाला, ऐश्वर्या भास्करन, ब्रह्माजी, देवराज, रघु बाबू, शिव बालाजी, संपत राम, लवी पजनी, सुरेखा वाणी, प्रीति मुकुंदन, कौशल और अधर्स रघु जैसे कलाकार शामिल हैं। कहा जा रहा है कि फिल्म में कुल 27 कलाकार देखने को मिलेंगे, वहीं फिल्म से 2025 के सभी रिकॉर्ड तोड़ने की उम्मीद है।

# एयर इंडिया में बहन काम करती है, अहमदाबाद विमान हादसे पर ट्रोल होने के बाद रीम शेख का जवाब

हाल ही में अभिनेत्री रीम शेख से पैपराजी ने अहमदाबाद विमान दुर्घटना के बारे में पूछा। कथित तौर पर उन्हें इसके बारे में जानकारी नहीं थी। इसके लिए उन्हें जमकर ट्रोल किया गया। लोगों ने उन्हें बेसुध कहा। इस मामले पर अब अभिनेत्री ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने बताया है कि वह इस घटना के बारे में जानने वाले पहले लोगों में से एक थीं।

**विमान दुर्घटना के बारे में रीम को पता था** रीम ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर खुलासा किया कि उनकी बहन एयर इंडिया में क्रू मेंबर के तौर पर काम करती हैं। उन्होंने लिखा सबसे पहले, विमान दुर्घटना के बारे में न जानने के लिए मुझे ट्रोल करने वाले सभी लोग, कृपया रुकें। मेरी सगी बहन एयर इंडिया में काम करती है। जब दुर्घटना हुई, तो इसके बारे में मुझे सबसे पहले पता चला। मैंने उसे घर पर बैठकर रोते हुए, अपने साथी क्रू मेंबर के खोने का शोक मनाते हुए देखा है। यह मेरे लिए सिर्फ एक हेडलाइन नहीं है; यह बहुत निजी मामला है।

**बिना पूछे त्रासदी पर बात नहीं करना चाहती थी** उन्होंने आगे कहा पैपराजी ने मुझसे कहा कि कल के बारे में कुछ बोलो। उन लोगों ने खास तौर से विमान दुर्घटना के बारे में नहीं पूछा। यह बहुत दुखद है कि कितनी जल्दी धारणाएं बना ली जाती हैं। अगर मैंने इस बारे कोई बात नहीं कही, तो ऐसा इसलिए नहीं था कि मुझे परवाह नहीं थी। ऐसा इसलिए था क्योंकि मुझसे सीधे तौर पर विमान दुर्घटना के बारे में नहीं पूछा गया था। मैं बिना पूछे किसी संवेदनशील विषय पर बात नहीं करना चाहती थी।

**मैं दुख मनाने के लिए खुद को कैमरे पर नहीं ला सकती** रीम ने आगे कहा अंत में, मैं आमतौर पर मीडिया के सामने खड़े होकर बात करने से बचती हूं। जो लोग मुझे असंवेदनशील कहते हैं, कृपया समझें- मैं खुद को कैमरों के सामने शोक मनाने के लिए नहीं ला सकती। मैं ऐसी नहीं हूं। मैं दर्द को इस तरह से नहीं समझती। यह नुकसान मेरे दिल को इस तरह से छू गया है कि मैं इसे बयां भी नहीं कर सकती।

**क्या है पूरा मामला?** आपको बता दें कि रीम शेख का एक वीडियो इंटरनेट पर वायरल हुआ था, जिसमें एक पैपराजी ने उनसे पूछा था मैम कल के बारे में क्या बोलेंगे?, जिसमें विमान दुर्घटना का जिक्र था। इस पर, अभिनेत्री ने जवाब दिया था, क्यों, कल क्या हुआ था? जब पैपराजी ने विमान दुर्घटना का जिक्र किया, तो वह आगे कोई टिप्पणी करने से बचती हुई चली गईं।
काम की बात करें तो रीम वर्तमान में खाना पकाने पर आधारित टेलीविजन शो लाफ्टर शेफ्स सीजन 2 में दिखाई दे रही हैं।

# बीमार हुईं पॉप गायिका काइली मिनोग स्थगित किए वर्ल्ड टूर के चार यूरोपीय शो

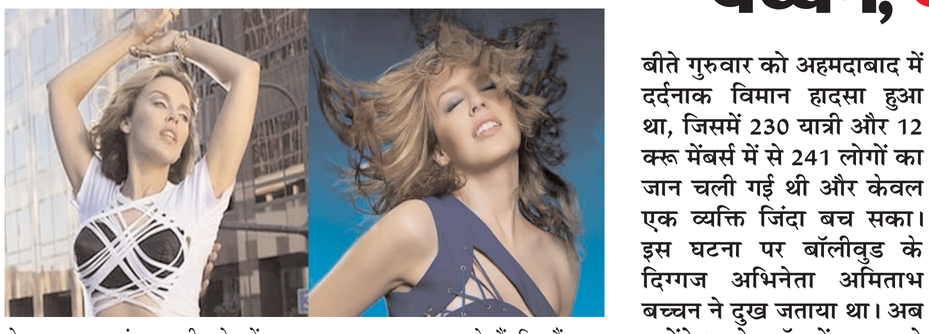

पॉप गायिका काइली मिनोग बीमार हैं। ऐसे में उनके फैंस के लिए दुख की बात यह है कि उन्होंने अपनी बीमारी के चलते अपने चार आगामी शो स्थगित करने का एलान किया है।
काइली मिनोग यूके में भीड़ को जमा करने के लिए अपने टेंशन टूर पर प्रदर्शन कर रही थीं। लेकिन आवाज में दिक्कत की वजह से उन्हें अपने चार प्रोग्राम रद्द करने पड़े।

**इन जगहों पर होने वाले थे मिनोग के प्रोग्राम** टेंशन टूर सात सालों में उनका पहला वैश्विक और उनके करियर का 16वां टूर है। उन्हें सोमवार को बर्लिन में प्रदर्शन करना था, उसके बाद पोलैंड, लिथुआनिया और एस्टोनिया में संगीत कार्यक्रम होने थे। पॉप गायिका ने अपने एक्स हैंडल पर प्रोग्राम के स्थगित होने का एलान किया है।

**मिनोग ने पोस्ट के जरिए दी जानकारी** काइली मिनोग ने एक्स पर लिखा मेरे प्रेमियों, जैसा कि आप में से कुछ लोग जानते होंगे, एक हफ्ता पहले हमने टेंशन टूर का यूके में प्रचार किया। मैं लगभग कामयाब हो गई थी लेकिन बदकिस्मती से एक वायरल संक्रमण की चपेट में आ गई। मैंने सोमवार को अपना अगला कार्यक्रम शुरू करने के लिए जल्दी ठीक होने की कोशिश की लेकिन मुझे लगता है कि मुझे मंच पर वापस आने में और वक्त लगेगा। मुझे बहुत, बहुत खेद है! मेरे पास बर्लिन, लॉड्ज, काउनास और टालिन में शो को स्थगित करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

**टिकटों को संभाल कर रखें** मिनोग ने आगे कहा कृपया अपने टिकट संभाल कर रखें, हम तारीखों को पुनर्निर्धारित करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं और जल्द ही आपको इस बारे में अपडेट करेंगे। बातों को समझने के लिए धन्यवाद- आप जानते हैं कि मैं आप सभी से प्यार करती हूं। और मुझे यह शो बहुत पसंद है! मैं अगले हफ्ते आपसे मिलूंगी। मैं आप सभी से मिलने का इंतजार कर रही हूं। लव काइली।

**अमेरिका में भी किए प्रोग्राम** खबरों के मुताबिक मिनोग ने लंदन के ओ2 एरिना में चार शामों सहित पूरे यूके में 14 संगीत कार्यक्रम किए हैं।
यह दौरा उनके 2023 के गाने पदम-पदम के पूरी दूनिया में हिट होने के बाद हुआ है। उन्होंने अमेरिका में भी कार्यक्रम किया। यूरोप के बाद मिनोग दक्षिण अमेरिका और मैक्सिको का दौरा करने की योजना बना रही हैं।

# अहमदाबाद विमान हादसे से आहत अमिताभ बच्चन, बोले- 'घटना की निष्पक्ष जांच हो'

**बीते गुरुवार को अहमदाबाद में दर्दनाक विमान हादसा हुआ था, जिसमें 230 यात्री और 12 क्रू मेंबर्स में से 241 लोगों का जान चली गई थी और केवल एक व्यक्ति जिंदा बच सका। इस घटना पर बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन ने दुख जताया था। अब उन्होंने अपने व्लॉग में इस हादसे को लेकर निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग की है। आइए जानते हैं उन्होंने कहा।**

**क्या बोले बिग बी? महानायक अमिताभ बच्चन ने अपने व्लॉग में हनुमान जी की तस्वीर शेयर करते हुए प्लेन क्रैश में स्वर्गवासी हुए लोगों को लेकर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि एयर इंडिया विमान दुर्घटना से वो दुखी हैं और खोए हुए परिजनों के प्रति उनकी सहानुभूति और संवेदना है। साथ ही उन्होंने कहा कि इस घटना की पारदर्शी जांच हो, जिससे दुख को सम्मान मिलेगा और व्यथा को एकजुटता में बदलने की जरूरत है।**

**अभिनेता ने खोया अपना करीबी अपने व्लॉग में अभिनेता ने आगे कहा कि उन्होंने अपने एक करीबी को खो दिया है, जो उनके दोस्त का बेटा था। एक्टर ने कहा कि उनके और परिवार के लिए बहुत दुखद सुबह रही। एक युवा, ऊर्जावान व्यक्ति अचानक दुनिया से चला गया, जिस पर विश्वास करना बेहद मुश्किल है। साथ ही अभिनेता ने कहा कि वो सिर्फ प्रार्थना कर सकते हैं कि दिवंगत आत्मा के परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति मिले। हालांकि, आपको बताते चलें कि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि वो बिजनेसमैन संजय कपूर की बात कर रहे हैं, जिनका बीते दिनों निधन हो गया था।**

**विमान दुर्घटना के बारे में गुरुवार को 242 यात्रियों को लेकर लंदन जा रहा एयर इंडिया का विमान अहमदाबाद के एक मेडिकल कॉलेज परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उड़ान भरने के एक मिनट से भी कम समय में ही प्लेन क्रैश हो गया था। इस हादसे में विमान में बैठे 241 के अलावा 24 मेडिकल परिसर में रहे लोगों के मौत की खबर है, जो अत्यंत दुखद है।**



# सरफराज खान ने इंट्रा स्क्वाड मैच में जड़ा शतक दूसरे दिन बुमराह को नहीं मिल सका विकेट

भारतीय बल्लेबाज सरफराज खान ने इंट्रा स्क्वाड मैच के दूसरे दिन सीनियर भारतीय टीम के खिलाफ भारत ए के लिए खेलते हुए शतक लगाया। सरफराज ने 76 गेंदों पर 101 रन बनाए, जबकि स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने सात ओवर तक गेंदबाजी की, लेकिन उन्हें कोई विकेट नहीं मिल सका। ये इंट्रा स्क्वाड मैच कैंट में खेला जा रहा है जो इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज की तैयारियों के लिए काफी महत्वपूर्ण है। इस मैच को दर्शकों की अनुपस्थिति में खेला जा रहा है और इसका लाइव प्रसारण भी नहीं हो रहा है।

**सरफराज हुए रिटायर आउट** सीनियर भारतीय टीम ने 459 रन बनाए थे, जवाब में भारत ए ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक छह विकेट पर 299 रन बनाए। ईशान किशन 45 और शार्दुल ठाकुर 19 रन बनाकर खेल रहे थे। हालांकि, सरफराज ने अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित किया और अपनी पारी में 15 चौके और दो छक्के लगाए। वह बाद में दूसरे बल्लेबाजों को मौका देने के लिए रिटायर आउट हो गए।

**गायकवाड़ शून्य पर आउट, ईश्वरन-सुदर्शन ने संभाला** इंग्लिश परिस्थितियों में सरफराज का शतक काफी महत्वपूर्ण है। इससे पहले उन्होंने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ अनौपचारिक टेस्ट मैच में 92 रनों की पारी खेली थी। भारत और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट मैच 20 जून से शुरू होगा। इससे पहले, भारत ए ने ऋतुराज गायकवाड़ का विकेट जल्द गंवाया जिन्हें मोहम्मद सिराज ने ऋषभ पंत के हाथों कैच कराया। गायकवाड़ दो गेंद खेल खाता खोले बिना आउट हुए। इसके बाद अभिमन्यु ईश्वरन (39) और साई सुदर्शन (38) ने टीम को संभाला।

**सिराज-प्रसिद्ध की शानदार गेंदबाजी** भारतीय गेंदबाजों में सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने अच्छी गेंदबाजी की। सिराज ने 86 रन देकर दो विकेट लिए, जबकि प्रसिद्ध को 41 रन देकर दो विकेट मिले। वहीं, नीतीश कुमार रेड्डी को एक विकेट मिला। हालांकि, भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह प्रभाव छोड़ने में असफल रहे। उन्होंने सात ओवर के अपने स्पैल में 36 रन दिए, लेकिन खाली हाथ रहे। दूसरी तरफ, एक अन्य तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने भी 12 ओवर तक गेंदबाजी की और 52 रन देकर खाली हाथ लौटे।
मैच के पहले दिन कप्तान शुभमन गिल और केएल राहुल ने बल्ले से दम दिखाया था और दोनों बल्लेबाजों ने अर्धशतक लगाए थे। राहुल ने इससे पहले इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दूसरे अनौपचारिक टेस्ट मैच में शतक लगाया था और उन्होंने 116 रनों की पारी खेली थी। गिल ने भी दौरे की अच्छी शुरुआत की जो पहली बार कप्तानी का जिम्मा भी संभालने जा रहे हैं। गिल का भारत के बाहर कुछ खास रिकॉर्ड नहीं रहा है। उन्होंने इंग्लैंड में तीन टेस्ट मैच खेले हैं और सिर्फ 88 रन बनाए हैं। उनका इंग्लैंड में सर्वोच्च स्कोर 28 रन रहा है।

# चार गुणा 100 मीटर रिले स्पर्धा एशिया खेलों के लिए अहम खेलों में शामिल

## भारतीय एथलेटिक्स महासंघ का फैसला

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए जापान में 2026 एशियाई खेलों के लिए पुरुषों और महिलाओं की चार गुणा 100 मीटर रिले को प्राथमिकता वाली स्पर्धाओं में शामिल किया है। एएफआई के शीर्ष अधिकारियों को 19 सितंबर से चार अक्तूबर 2026 तक ऐची-नागोया में आयोजित होने वाले एशियाई खेलों में इन दोनों स्पर्धाओं में पदक की उम्मीद है।
भारत ने 2018 और 2022 एशियाई खेलों में चार गुणा 100 मीटर के रिले स्पर्धा के लिए टीमों नहीं भेजी थी। एएफआई के पूर्व अध्यक्ष आदिल सुमरिवाला ने कहा, एएफआई ने 2026 एशियाई खेलों के लिए पुरुष और महिला चार गुणा 100 मीटर रिले टीमों को प्राथमिकता वाली स्पर्धा में शामिल किया है। रिले टीमों द्वारा लगातार शानदार प्रदर्शन भविष्य के लिए शुभ संकेत है।
इस वर्ष अप्रैल में गुरिंदरवीर सिंह, अनिमेष कुजूर, मणिकांत होबलीधर और अमलान बोरगोहेन की चार गुणा 100 मीटर रिले टीम ने 38.69 सेकेंड का समय लेकर 2010 दिल्ली राष्ट्रमंडल खेलों में बनाए गए 38.89 सेकेंड के एक दशक पुराने राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ दिया था। पिछले एशियाई खेलों में चीन (38.29 सेकेंड), जापान (38.44 सेकेंड), दक्षिण कोरिया (38.74 सेकेंड) ने शीर्ष तीन में जगह बनाई थी। महिलाओं की चार गुणा 100 मीटर रिले में अभिनय राजराजन, श्राबनी नंदा, स्नेहा एसएस और नित्या गंधे की टीम ने हाल ही में दक्षिण कोरिया के गुमी में आयोजित एशियाई चैंपियनशिप में 43.86 सेकेंड का समय लेकर रजत पदक जीता।

# आर्या-बबूता की जोड़ी का कमाल, 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण जीता

*आर्या बोरसे और अर्जुन बबूता की भारतीय जोड़ी ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए चीन के जिफेई वांग और लिहाओ शेंग को 17-7 से हराकर शनिवार को यहां आईएसएसएफ विश्व कप की 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीत लिया। आर्या और बबूता अहम मौके पर धैर्य और एकाग्रता का शानदार नमूना पेश करते हुए चीन के खिलाड़ियों को खिताबी मुकाबले में कोई मौका नहीं दिया। भारतीय जोड़ी ने क्वालिफिकेशन में 635.2 का स्कोर बनाकर स्वर्ण पदक दौर में प्रवेश किया, जो वांग और शेंग (635.9) से सिर्फ 0.7 अंक पीछे था। चीन की जोड़ी का यह स्कोर क्वालिफिकेशन विश्व रिकॉर्ड भी है। व्यक्तिगत तौर पर आर्या ने 317.5 का स्कोर किया, जबकि बबूता ने क्वालिफिकेशन में 317.7 का स्कोर किया। आर्या इस साल की शुरुआत में पेरू के लीमा में विश्व कप में रुद्राक्ष पाटिल के साथ मिलकर 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत पदक जीत चुकी हैं। इस स्पर्धा में अन्य भारतीय जोड़ी इलावेनिल वलारिवन और अंकुश जाधव 631.8 अंकों के साथ क्वालीफिकेशन में छठे स्थान पर रही। नॉर्वे की जीनेट हेग ड्यूस्टैड और जॉन-हरमन हेग ने अमेरिका के सेगेन मैडालेना और पीटर मैथ्यू फियोरी पर 16-14 से जीत के साथ कांस्य पदक हासिल किया। यह मौजूदा विश्व कप में भारत का दूसरा स्वर्ण और कुल चौथा पदक है। सुरुचि सिंह ने शुक्रवार को स्वर्ण जीता था जबकि इस सप्ताह के शुरू में सिफ्त कौर समरा और इलावेनिल ने अपने-अपने व्यक्तिगत मुकाबलों में दो कांस्य पदक जीते थे।*

# पाकिस्तानी महिला ने आधार कार्ड-राशन कार्ड से उठाया फायदा

## 7 बच्चों की मां बन बरेली में काटी ज़िंदगी

**नेशनल डेस्क.** बरेली में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक पाकिस्तानी महिला ने दीर्घकालिक वीजा पर रहकर धोखाधड़ी कर आधार कार्ड और राशन कार्ड बनवा लिया। यह खुलासा बांग्लादेशी और रोहिंग्या समुदाय के तलाशी अभियान के दौरान हुआ। महिला के खिलाफ थाना बारादरी में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है, और पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की, लेकिन बाद में नोटिस देकर छोड़ा गया।

पुलिस निरीक्षक सौरभ तोमर ने बताया कि एसएसपी के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान में पता चला कि बारादरी थाना क्षेत्र के सूफी टोला, मकान नंबर 233 में फरहत सुल्ताना नामक पाकिस्तानी महिला दीर्घकालिक वीजा पर रह रही है। उसने धोखाधड़ी करते हुए अपने इस पते पर आधार कार्ड और राशन कार्ड बनवा लिए हैं। राशन कार्ड में फरहत ने खुद को परिवार का मुखिया बताया है, जबकि नियमों के अनुसार कोई भी विदेशी बिना भारतीय नागरिकता के आधार या राशन कार्ड नहीं बना सकता। इस धोखाधड़ी के मामले में रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। फरहत सुल्ताना को पुलिस ने गिरफ्तार कर पूछताछ की, जिसमें उसने सारी सच्चाई बताई। हालांकि

बाद में पुलिस ने उसे नोटिस तामील कर छोड़ दिया। जानकारी के अनुसार, फरहत अपनी मां अंजुम के साथ 1961 में ट्रेन से अटारी बॉर्डर होकर भारत आई थी, तब उसकी उम्र केवल आठ वर्ष थी। वह बारादरी के मोहल्ला सूफी टोला में अपने ननिहाल में रुक गई थी, जबकि उसकी मां और बहन कुछ समय बाद पाकिस्तान लौट गईं। फरहत ने 1985 में मोहल्ले के ही शाहिद खलील से शादी की थी। उनके चार बेटियां और दो बेटे हैं, जिसमें से एक बेटी की मृत्यु हो चुकी है। पांच साल पहले उसका पति से अलगाव हो गया, जिसके बाद शाहिद अपनी बहन के पास शाहजहांपुर में रहने लगा और फरहत अपने बच्चों के साथ रहती है। फरहत ने पुलिस को बताया कि उसने 2005 में आधार कार्ड बनवाया था, जिसका उपयोग करते हुए 2016 में राशन कार्ड भी बनाया। तब से वह सरकारी योजनाओं और राशन का लाभ ले रही है। पुलिस को यह भी जानकारी मिली है कि कार्ड बनवाने में कुछ कर्मचारी भी शामिल थे।

थाना प्रभारी धनंजय पांडेय ने बताया कि फरहत का दीर्घकालिक वीजा 13 जुलाई 2025 को समाप्त हो जाएगा।

# अमेरिका: 2 सांसदों के घर में घुसकर फायरिंग

## 1 की मौत; पुलिसवाले बनकर आए थे हमलावर

**इंटरनेशल डेस्क.** अमेरिका के मिनेसोटा राज्य में एक ही रात दो बड़े नेताओं पर हमला हुआ, जिससे पूरे देश में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार, पूर्व हाउस स्पीकर और डेमोक्रेट नेता मेलिसा हॉर्टमैन और उनके पति की घर में घुसकर गोली मारकर हत्या कर दी गई। हमलावर पुलिस की वर्दी में आए थे, जिससे किसी को शक नहीं हुआ और वे सीधे घर के अंदर घुस गए।

पुलिस ने बताया कि हमलावर खुद को पुलिस अफसर बताकर लोगों के घरों में घुस रहा है। वह गोरे रंग का है, भूरे बाल और नीली शर्ट व काली बुलेटप्रूफ जैकेट पहने था। पुलिस ने आसपास के इलाकों में शेल्टर-इन-प्लेस अलर्ट जारी कर दिया है और लोगों से अपील की है कि जब तक दो असली पुलिस अफसर पहचान के साथ न आएं, तब तक दरवाजा न खोलें। मिनेसोटा के गवर्नर टिम वॉल्ज़ ने इस घटना को राजनीतिक हत्या

करार दिया। उन्होंने कहा कि मेलिसा उनकी करीबी दोस्त थीं और यह एक बहुत ही दुखद और डराने वाली घटना है। हमलावरों का तरीका एक जैसा था, जिससे साफ है कि यह एक सुनियोजित हमला था और नेताओं को जानबूझकर निशाना बनाया गया। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका में राजनीतिक नेताओं पर हमलों और धमकियों की घटनाएं बढ़ रही हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो की एक रिपोर्ट में यह चिंता पहले ही जताई गई थी।

अमेरिकी सीनेटर एमी क्लोबुचार ने भी इस हमले की कड़ी निंदा की है।

**लोगों से सतर्क रहने की अपील**

पुलिस, स्त्रक्क्ष और अन्य केंद्रीय एजेंसियां मिलकर हमलावर की तलाश में लगी हैं। जब तक अपराधी पकड़ा नहीं जाता, तब तक सभी स्थानीय लोगों को सतर्क रहने और कोई भी संदिग्ध गतिविधि दिखे तो तुरंत 911 पर कॉल करने की सलाह दी गई है।

# सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी, बालाघाट एनकाउंटर में तीन महिला समेत चार नक्सली ढेर

**नेशनल डेस्क:** मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले के एक वन क्षेत्र में शनिवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में तीन महिलाओं समेत चार नक्सली मारे गए। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने यह जानकारी दी। बालाघाट माओवाद प्रभावित जिला है जो महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ की सीमा से सटा हुआ है। यादव ने बताया कि घटनास्थल से एक ग्रेनेड लांचर, एक सेल्फ-लोडिंग राइफल (एसएलआर), दो .315 बोर राइफल, अन्य हथियार और सामग्री बरामद की गई है।

संयोग से, मुठभेड़ उस समय हुई जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पंचमढ़ी में भाजपा के प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन करने के लिए राज्य में थे। 'एक्स% पर एक पोस्ट में, मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी के मार्गदर्शन में, राज्य ने मार्च 2026 तक नक्सलवाद को खत्म करने के अभियान में एक बड़ी सफलता हासिल की है।

उन्होंने कहा, पचामादादर और कटेझिरिया के जंगलों में (मप्र के नक्सल विरोधी बल) हॉक फोर्स, जिला (पुलिस) बल और सीआरपीएफ के संयुक्त अभियान के दौरान मुठभेड़ में एक पुरुष और तीन महिला सशस्त्र नक्सली मारे गए हैं। उन्होंने कहा कि तलाशी अभियान, जिसमें बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी और जवान लगे हुए हैं, अब भी जारी है। मुख्यमंत्री ने कहा, इस सफलता के लिए हमारे अदम्य, साहसी सैनिकों और राज्य के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को हार्दिक बधाई।

बालाघाट क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक संजय कुमार ने फोन पर मीडिया से बात करते हुए कहा कि मृत नक्सलियों की पहचान के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि जिला मुख्यालय से लगभग 40 किलोमीटर दूर रूपझर पुलिस थाना क्षेत्र में स्थित घटनास्थल से नक्सलियों के खिलाफ अभियान अभी भी जारी है। उन्होंने कहा कि कल शाम को उनकी गतिविधियों के बारे में खुफिया जानकारी मिलने के बाद अभियान शुरू किया गया था। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने बताया कि मारे गए माओवादी एमएमसी जोन के जीआरबी डिवीजन के कट्टर कार्यकर्ता थे। उन्होंने बताया कि उनकी शिनाख्त के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा, सुरक्षा बलों को जीआरबी डिवीजन से जुड़े माओवादियों के एक समूह की मौजूदगी के बारे में खुफिया जानकारी मिली थी। सूचना पर कार्रवाई करते हुए हॉक फोर्स, जिला पुलिस और सीआरपीएफ कर्मियों ने संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया।

अभियान के दौरान माओवादियों ने सुरक्षाकर्मियों पर गोलीबारी की, जिसका उद्देश्य उन्हें हताहत करना और उनके हथियार लूटना था। एसपी ने बताया कि सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई में चार नक्सली मारे गए, जबकि कुछ उग्रवादी घायल हुए, लेकिन घने जंगल के कारण भागने में सफल रहे। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने बताया कि एमएमसी जोन में महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ शामिल हैं। प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) ने 2015-16 में इस क्षेत्र का गठन किया था। उन्होंने बताया कि जीआरबी (गोंदिया, राजनांदगांव और बालाघाट) एमसीसी के प्रभागों में से एक है।

# ब्रिटेन: महाराजा चार्ल्स तृतीय ने अहमदाबाद विमान हादसे के पीड़ितों के लिए रखा मौन

ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय ने शनिवार को अहमदाबाद से लंदन के गैटविक आ रहे एअर इंडिया के विमान दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण मारे गए लोगों की याद में एक मिनट का मौन रखा। उन्होंने अपनी वार्षिक 'ट्रूपिंग द कलरजन्मदिवस परेड में अंतिम समय में बदलाव किया और पीड़ितों को याद करते हुए बाजू पर काली पट्टी बांधी। बकिंघम पैलेस (ब्रिटिश राष्ट्राध्यक्ष आवास) ने कहा कि 76 वर्षीय महाराजा ने बदलाव ''इस भयावह त्रासदी में मारे गए लोगों, शोक में डूबे परिवारों और प्रभावित सभी समुदायों के प्रति सम्मान प्रकटकरने के लिए किया।

परेड में शाही परिवार के सभी सदस्य वर्दी में बांह पर काली पट्टियां बांधे हुए नजर आए, जो बृहस्पतिवार को अहमदाबाद में लंदन आने रहे विमान के दुर्घटाग्रस्त

होने की वजह से मारे गए 241 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों के प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए था।

बकिंघम पैलेस ने एक बयान में कहा,''इस सप्ताह एअर इंडिया की घटना के बाद, महामहिम ने अनुरोध किया है कि ट्रूपिंग द कलर में वर्दी में शामिल शाही परिवार के सदस्यों को बांह पर काली पट्टियां पहननी चाहिए, जैसा कि जुलूस में शामिल घुड़सवार अधिकारी और सभी वर्दीधारी म्यूज़ स्टाफ को करना चाहिए।

बयान में कहा गया, ''परेड में एक मिनट का मौन भी रखा गया, जो परेड के निरीक्षण के बाद, महामहिम (चार्ल्स और रानी कैमिला) के गाड़ी से बाहर निकलने और मंच पर वेल्स की राजकुमारी (केट मिडलटन) के साथ शामिल होने के बाद रखा गया।

## व्यापार

# इस्राइल-ईरान तनाव से होर्मुज जलडमरूमध्य पर संकट, भारत को क्यों करनी चाहिए चिंता

इस्राइल ने शुक्रवार तड़के ईरान की राजधानी तेहरान पर हमला किया। इस्राइली सेना ने ईरान के परमाणु ठिकानों को निशाना बनाया। जवाबी कार्रवाई करते हुए शनिवार को ईरान ने भी इस्राइल पर हमला शुरू कर दिया। ईरान-इस्राइल के बीच बढ़ते तनाव की स्थिति पश्चिम एशिया के अलावा भारत जैसे देशों पर भी असर डाल सकती है। वैश्विक चिंता का मुख्य कारण होर्मुज जलडमरूमध्य है।

होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है क्योंकि यह फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी को जोड़ता है। दुनिया के तेल परिवहन का एक बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। यह ईरान और ओमान के बीच स्थित है। अगर यहां तनाव और बढ़ता है तो तेल की आपूर्ति पर असर पड़ेगा और कीमतें बढ़ जाएंगी। इससे भारत सहित दुनिया भर में ईरान और इस इलाके से आने वाले ईंधन पर निर्भर रहने वाली कई देशों की अर्थव्यवस्थाएं प्रभावित हो सकती हैं।

वेल्थ मैनेजमेंट फर्म जूलियस बेयर के अर्थशास्त्री नॉबर्ट रकर ने कहा कि भू-राजनीति वापस आ गई है। ईरान पर इस्राइल के हमले से क्षेत्रीय तनाव बढ़ने की आशंका बढ़ गई है। ऐसी स्थिति में तेल को हथियार की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है और कीमतें बढ़ सकती हैं। स्थिति अब भी अस्थिर हैं। आने वाले दिनों और हफ्तों में पता चलेगा की तनाव कितना बढ़ा है। इसका विशेष रूप से भारत पर असर पड़ रहा है। भारत के दो-तिहाई से अधिक तेल आयात और लगभग आधे तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) आयात होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर ही गुजरते हैं। अगर इस मार्ग में कोई भी बाधा उत्पन्न होती है, तो भारत को दूसरे स्त्रोतों और मार्गों की तलाश करनी पड़ सकती है। आयात में ज्यादा खर्च होने के साथ देश को लॉजिस्टिकल चुनौतियों का भी सामना करना पड़ सकता है। ऐसी समस्याओं से निपटने के लिए भारत को रणनीतिक उपाय की जरूरत है। अमेरिकी वित्तीय सेवा कंपनी जेपी मॉर्गन ने चेतावनी दी है कि अगर ईरान और इस्राइल का संघर्ष बढ़ता है तो तेल की कीमतें 120 डॉलर प्रति बैरल तक बढ़ सकती है। इससे महंगाई बढ़ने के साथ-साथ भारत का चालू खाता घाटा बढ़ेगा। शुक्रवार को वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 7.44 प्रतिशत बढ़कर 74.52 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। एक अन्य जानकार- जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें 76 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गईं, जो इस साल का उच्चतम स्तर है।

कच्चे तेल की अधिक कीमतों के कारण शिपिंग फर्म की परिचालन लागत बढ़ जाएगी। जहाजों के मार्ग बदलने से आयात-निर्यात के दौरान अधिक लंबा सफर तैय करना होगा, इससे माल ढोने का शुल्क और डिलिवरी का समय भी बढ़ेगा। भू- राजनीतिक तनाव से संघर्ष-ग्रस्त जलक्षेत्रों में चलने वाले जहाजों के बीमा प्रीमियम में भी वृद्धि होगी। इससे वैश्विक व्यापार लागत पर दबाव बढ़ेगा।

तेल की कीमतों में उछाल से आम आदमी और व्यवसायों पर भी बड़ा

# सुपरटेक के खिलाफ सीबीआई ने दर्ज की एफआईआर

## 126 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का आरोप

सीबीआई ने नोएडा स्थित कंस्ट्रक्शन कंपनी सुपरटेक लिमिटेड और इसके प्रवर्तक आरके अरोड़ा समेत अन्य के खिलाफ 126.07 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के आरोप में एफआईआर दर्ज की है। यह जानकारी अधिकारियों ने शनिवार को दी।

सीबीआई की एफआईआर में आरके अरोड़ा के साथ-साथ कंपनी के पूर्णकालिक निदेशक संगीता अरोड़ा, मोहित अरोड़ा, पारुल अरोड़ा, विकास कंसल, प्रदीप कुमार, अनिल कुमार शर्मा और अनिल कुमार जैन के नाम भी शामिल हैं।

**सीबीआई ने की छापेमारी**

शनिवार को सीबीआई ने नोएडा और गाजियाबाद स्थित आरोपियों के आधिकारिक और आवासीय परिसरों सहित पांच स्थानों पर एक साथ तलाशी अभियान चलाया था। सीबीआई के प्रवक्ता के अनुसार, छापेमारी के दौरान एजेंसी ने 28.5

लाख रुपए की नकद बरामद किए हैं।

**आईडीबीआई बैंक ने की थी शिकायत**

यह मामला आईडीबीआई बैंक की शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया। जिसमें आरोप लगाया गया था कि आरोपियों ने मिलीभगत करके स्वीकृत ऋण राशि को धोखाधड़ी के जरिये हड़प लिए हैं। एफआईआर के अनुसार, बैंक का कहना है कि कंपनी और उसके निदेशकों ने झूठे दस्तावेजों के माध्यम से ऋण लिया था। इसके बाद ऋण खाते को जानबूझकर डिफॉल्ट घोषित कर दिया गया और उसे धोखाधड़ी की श्रेणी में रखा गया। जिससे आईडीबीआई बैंक को कुल 126.07 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569